भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **1920** जिसका उत्तर

मंगलवार, 16 दिसंबर, 2025 (25 अग्रहायण, 1947,(शक)) को दिया जाना है

पूर्वोत्तर राज्यों में अंतर्देशीय जल परिवहन सुविधाओं का आधुनिकीकरण

1920 **श्री रवंगवरा नारजारी :**

क्या **पत्तन पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) असम राज्य में विशाल ब्रह्मपुत्र नदी पर विशेष ध्यान देते हुए पूर्वोत्तर राज्यों में अंतर्देशीय जल परिवहन सुविधाओं के आधुनिकीकरण हेतु क्या परिवर्तनकारी पहलें की गई हैं;

(ख) क्या मंत्रालय भारत के पूर्वोत्तरी राज्यों में नदी क्रूज पर्यटन को विकसित करने की योजना बना रहा है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसका क्या कारण है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): पूर्वोत्तर राज्यों (एनईआर) में अंतर्देशीय जल परिवहन सुविधाओं के आधुनिकीकरण के लिए की गई परिवर्तनकारी पहल नीचे दी गई हैं:

(i) वर्ष 2020-21 से 2024-25 के दौरान राष्ट्रीय जलमार्ग (रा.ज.)-2 (ब्रह्मपुत्र नदी) का 498 करोड़ रुपए की लागत से व्यापक विकास किया गया है। महत्वपूर्ण परियोजनाओं में बोगीबील और जोगीघोपा टर्मिनलों का निर्माण, बोगीबील और पांडु में पर्यटक जेट्टी, नियमित फ़ेयरवे विकास कार्य, सुचारू नौवहन और नौचालन के लिए नौचालन सहायता शामिल हैं। इसके अलावा, 419 करोड़ रुपए की लागत से पांडु में पोत मरम्मत सुविधा और पांडु पत्तन से राष्ट्रीय राजमार्ग-27 को जोड़ने वाली एलिवेटेड रोड और पोत मरम्मत सुविधा का निर्माण भी किया गया है।

(ii) वर्ष 2020-21 से राष्ट्रीय जलमार्ग-16 (बराक नदी) का 134.72 करोड़ रुपए की लागत से व्यापक विकास किया गया है। महत्वपूर्ण परियोजनाओं में बदरपुर और करीमगंज में टर्मिनलों का उन्नयन, फेयरवे विकास, नौचालन सहायता का रखरखाव, जलस्थल (एम्फ़िबियन) ड्रेजर की खरीद आदि शामिल हैं।

(iii) राष्ट्रीय जलमार्ग-57 (कोपिली नदी) को चंद्रपुर (कामरूप) से हटसिंगिमारी (दक्षिण सालमारा-मनकाचर) तक 300 मीट्रिक टन सीमेंट की आवाजाही के साथ चालू किया गया।

(iv) पूर्वोत्तर राज्यों में आईडब्ल्यूटी के विकास के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं (सीएसएस) के तहत, टर्मिनल और फ़ेयरवे विकास और छोटे यात्री जलयानों की खरीद के लिए परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

(ख) से (घ): जी, हां। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू), पूर्वोत्तर में नदी-क्रूज़ पर्यटन को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। एमओपीएसडब्ल्यू के तहत एक स्वायत्त संगठन, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई), रा.ज.-2 पर समर्पित क्रूज़ टर्मिनल विकसित कर रहा है। क्रूज़ टर्मिनलों के विकास के लिए निर्धारित स्थान गुवाहाटी, नेमाटी, बिश्वनाथ घाट, सिलघाट और गुइज़ान हैं। सागरमाला वित्त निगम लिमिटेड, आईडब्ल्यूएआई और असम सरकार के अंतर्देशीय जल परिवहन और पर्यटन विभाग के एक विशेष प्रयोजन साधन (एसपीवी) ने हॉप-ऑन हॉप-ऑफ मॉडल पर उपयुक्त जलयानों का उपयोग करके लाचित घाट, असवंता मंदिर घाट, डौल गोविंदा मंदिर घाट, हनुमान मंदिर घाट (उज़ान बाज़ार), उमानंद घाट, पांडुनाथ घाट और कामाख्या मंदिर नामक सात मंदिरों को जोड़ने वाले धार्मिक पर्यटन सर्किट के विकास का काम शुरू किया है।

*****